हमर चारूधाम

Anthology of Maithili Poems and Song

नन्द विलास राय



हमर चारूधाम

नन्द विलास राय

पल्लवी प्रकाशन
निर्मली

ISBN : 978-93-88421-86-7

दाम : ₹ 200/-

पहिल संस्करण : 2018

प्रकाशक : पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं. 06, निर्मली, जिला- सुपौल, बिहार : 847452

वेबसाइट : http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल : pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल : 8539043668, 9931654742

प्रिन्ट : मानव आर्ट, निर्मली (सुपौल) पिन : 847452

HAMAR CHAROODHAM
Anthology of Maithili Poems and Song by Sh. Nand Vilas Roy.

स्मृतिमे

देशक आजादी लेल जे सभ
गमेलैन अपन प्राण
भारत केर अस्मिताक खातिर
जिनकर सभक गेलैन जान
देशक अखण्डताक खातिर
जे भेली वलिदान
हुनका सभक स्मृतिमे
ई अछि पोथी 'चारूधाम'

समरपन

गर्मी हुअए चाहे भीषण जाड़
जाड़सँ दलकैत अछि देहक हार
मुदा जूनून नहि छैन कनीक्को कम
जीब कि मरब तेकर नहि गम
मातृभूमिक रक्षाक लेल केने छैथ
अपन प्राण अर्पण
हुनका सभक लेल 'चारूधाम'
अछि पोथी समरपन।

पोथीक मादे

मिथिलाक धरतीपर रहनिहार धार्मिक प्रवृत्तिक होइ छथि। मिथिलामे रंग-रंग पाबनि जेना आर्द्रा, चौरचन, जितिया, दुर्गापूजा, कोजगरा, दियाबाती, सुकराती, भरदुतिया, छठि, देव उठाओन आदि-आदि। ऐ ठामक लोक तीर्थ-व्रत वेसी करै छथि। जेना काँवर लऽ कऽ बाबाधाम जाएब, गंगासागर जाएब, अमरनाथ धाम जाएब। मुदा असल जे धर्म छै माए-बापक सेवा से नै करै छथि। माए-बापक सेवा करब सबसँ पैघ धर्म छी। माए-बापक चरणमे चारू धाम अछि, ऐ बातकेँ नै बुझै छथिन। हम अपन ऐ पोथीक नाओं हमर चारू धाम रखलौंहाँ पोथीक पहिल कविता चारू धाम छी जाहिमे हम अपन विचार व्यक्त केलौं हेन आ पोथीक पहिल कविताक नाओं पर पोथीक नाओं रखलौं हेन। सुधी पाठकसँ निवेदन जे चारूधाम कवितापर अपन विचारसँ हमरा अवगत करबथि।

हम हिन्दीमे एकटा कविता लिखने छी

बड़े-बड़े बलवान को देखा
कितने हीं पहलवान को देखा
कलियुगके भगवान को देखा
पर कहीं नहीं इन्सान को देखा

मुदा हमर लिखल कविता तखन शुरू भऽ गेल जखन श्री सुरेन्द्र बाबू निदेशक एम. एन.एस. ओमोवार सेमीनरी निर्मली सुपौल, श्री उमेश मंडल सम्पादक पल्लवी प्रकाशन निर्मली, प्रो० धीरेन्द्र कुमार राय हिन्दी विभागाध्यक्ष सी० एम० बी० कॉलेज डेवढ़ घोघरडीहा स्थानक लोक हमरा संग

अदना रचनाकारक पोथी छपबाक प्रकाशनक आर्थिक भार उठौलैन। हिनका लोकनिकेँ कोन शब्दसँ आभार प्रकट करियैन ओ शब्द हमरा शब्दकोषमे सहजे नै भेटि रहल अछि। हम खासकऽ श्री उमेश मंडलजीकेँ आभारी छी जिनका संसर्गमे एलाँ आइ हमरा एकटा कथाकार, कवि, गीतकारक रूपमे पहिचान भेटऽ चला अछि।

हमरा मनोबलकेँ बढ़ाबएमे श्री गजेन्द्र ठाकुर, श्री नागेन्द्र झा, श्रीमती प्रीति झा, श्रुति प्रकाशन दिल्ली डा० प्रो० विमल कुमार राजा (निर्मली महाविद्यालय) प्रो० शिव कुमार प्रसाद विभागाध्यक्ष हिन्दी हरि प्रसाद साह महाविद्यालय निर्मली सुपौल श्री नारायण यादव, श्री उमेश पासवान, श्री विनोद कुमार साह आपका दवाखाना निर्मली आदिक भरपूर सहयोग रहलैन छ। हिनका लोकनिकेँ साधुवाद।

साहित्य सम्राट श्री जगदीश प्रसाद मंडलजीकेँ सत-सत नमन जिनकर आशीष स्नेह बरोबरि भेटि रहल अछि।

पल्लवी प्रकाशनक श्रीमती पूनम मंडल जीकेँ सेहो हार्दिक ~~धन्य~~ धन्यवादक संग उज्ज्वल भविष्य कामना। ~~[illegible]~~

[illegible]

कपलेश्वर [illegible]

मो० - 993190967।

काव्य क्रम-

हमर चारूधाम

एक दिन एला हमर दोस
जेकर नाओं छिऐन हरेराम
हम आदरसँ बैसौलिऐन
नेबोबला चाह पियौलयैन
स्पेशल पत्ती आ जर्दाक संग
खियौलयैन पान।
हमर दोस बजला
चलू मीत एमकी
काँवर लऽ कऽ बाबाधाम
बाबाधाम गेलासँ
नहि हएत किछो हानि
यौ भोलाबाबा छैथ
बड़का औधरदानी
सभ मनोकामना पूर करता
हमरा बातक करू बिसवास
जे-जे मंगबै सभ देता
पूरा करता सब आश।

हम बिच्चेमे बजलौं

यौ दोस हमर माए छथिन
साक्षात पार्वती
आओर बाबू छैथ शंकर भगवान
हुनका सभक सेवाकेँ धर्म बुझै छी
कथी-ले जाएब हम बाबाधाम।
सुति उठि सभ दिन करै छिऐन
माए-बाबूकेँ प्रणाम
ऐ काजसँ पैघ नहि
बुझै छी हम गंगा स्नान
जाबे धरि माए-बाबू
जीबै छैथ
नै जाएब तीर्थ स्थान
माए-बाबू जेतए बसै छैथ
वएह छी हमर चारूधाम। ❑

दहेज

दहेज पाप छी
दहेज अभिशाप छी
दहेज छी
बड़ पैघ कलंक
सभ मिलि करू
ऐ समस्याकेँ अन्त।

दहेज समाजक लेल
भऽ गेल अछि कोंढ़
दहेज अछि एड्सोसँ
पैघ रोग
दहेजसँ बढ़ि कऽ
नै अछि कोनो रोग
जे भोगने अछि
एकर भोग
ओकरा अखनो तक
अछि तेकर सोग।

दहेजक कारण बेटी मरैए

दहेजक कारण बेटी जरैए
फँसरी लगाकऽ जान गमबैए
धार-पोखैरमे
सेहो डुबैए
दहेजेक कारण
कन्या-भ्रूण
हत्या होइए
आउ, सभ मिलिकऽ
ऐ समस्यापर विचारू
दहेजकेँ अपना
समाजसँ खिंधारू
जे कियो दहेजक
मांग करए
ओकरा खर्ड़ा-बाढ़ैन
आ झारूसँ मारि भगाउ। ❑

हमर होली

फगुआक उमंग
सभपर चढ़ल रंग
कियो पीबै दारू
कियो पीबै भंग
मुनसाकेँ की कही
मौगी सभकेँ
रंग खेलाइत देख हम
रहि गेलौं दंग।

चारूकात मचल छल हूरदंग
कियो पीटैत डम्फा
कियो पीटैत मृदंग
सभ अपनेमे मतंग
लोक सभकेँ होली खेलाइत देख
हमरो मनमे उठल तरंग
मनमे आएल
हमहूँ खेलितौं होली
अपन संगी सबहक संग
मुदा आब केतए पाबी

सभ संगी गाम छोड़ि शहर जा
लगेने अछि अपन-अपन डाली
छी बुड़बक तँए गाममे रहि
ताकए चाहै छी होली आ दिवाली
अपन बचपनक यारी... ।

केना खेलब होली
किनका लगाएब रंग
कियो कहि ने दिअए
एना किए भऽ
गेल छी उदंड
रंगक खातिर भऽ नै जाए
केकरोसँ जंग ।

मनमे आएल
होली खेलब
अपन पत्नियेँक संग
ओकरे रंगब
अंग-अंग ।

यएह सोचैत हम
अँगना गेलौं

पत्नीकेँ लगमे बजेलौं
ओ बजली-
की यौ
अहाँक रंग लगैए
आइ बड़ बेढ़ग
दारू पीलौं हेन
आकि पीलौं अछि भंग?

कहलयैन-
आइ होली खेलब
अहींक संग
अहींकेँ लगाएब रंग।

पत्नी बजली-
टोला-पड़ोसाक
छौंड़ासभ
हमरा कऽ देने छल
अपचंग
आब अहाँ हमरा
जुनि करू तंग।
हमर राखले रहि गेल
लाल-हरियर

सभटा रंग।
फेर मनमे आएल
किएक ने बाबाकेँ
पैरमे अबीर लगा
हुनकासँ आशीष पाबी।

हम दलानपर गेलौं
बाबाकेँ पैरमे
अबीर लगेलौं
हुनक दुनू पैर छुबि
अपन दुनू हाथसँ
केलौं प्रणाम
ओ बजला-
जीबह
नीके रहअ
रोशन करह
अपन मातृभूमिक नाम। ❑

धनवान

हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान
ओ छैथ
बड़ पैघ विचारवान।

बुढ़ होथि
वा होथि जुआन
करै छैथ
सभकेँ आदर-सम्मान
अपनासँ पैघकेँ करै छैथ
दुनू हाथ जोड़ि प्रणाम
तँए तँ छथिन लक्ष्मीजी
हुनकापर पूरा मेहरवान
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान।

हिन्दुक घरमे शादी रहए
वा मुसलमानक घर निकाह
बिना बजौलो जा कऽ

दइ छैथ नीक सलाह
तँए सभ करै छैन
हुनक गुणक गान
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान।

बाग-बगीचा खेत-खरिहाँन
पोखैर, गाड़ी, बंगला आलीशान
जे बढ़ाबइ छैन
हुनक शान
मुदा हुनका कनिक्को
नहि छैन अभिमान
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान।

उमेर भऽ गेलैन हें
हुनकर साठि
करैत रहै छैथ योगक संग
सभटा अपन काम
तँए लगै छथिन
अखनो जवान
हमरा गाममे छैथ

एकटा धनवान।

कखनो किनको नहि
बजथिन बुराइ
सत्य आओर अहिंसाक
बड़ पैघ पुजारी
यएह हिनक छिऐन
धर्म आओर इमान
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान।

गाँधीजीक विचारधारा
अपनौने छैथ
छैथ पूरा सदाचारी
बुद्धक दर्शन
जनै छैथ
छैथ पैघ परोपकारी
रामायण आओर गीताक
छैन हुनका पूरा ज्ञान
तँए छैथ ओ निष्ठावान
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान।

देह तँ कारी छैन हुनकर
मुदा दिलक छथिन साफ
केतबो पैघ कियो
अपराध करए हुनकर
कऽ दइ छथिन माफ
आनक धनकेँ समझै छैथ
बिल्कुल ओ हराम
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान। ❑

कन्या भ्रूणक अबाज

ने दुनियाँमे एलौं
ने किनको दुखेलौं
ने हमरासँ भेल अखन
किनको नोकसान यौ
बाजू फेर किए लइ छी अहाँ
हमर गर्भेमे प्राण यौ।

जेहने अहाँक बेटा अछि
तेहने तँ हम छी
बाजू कोन क्षेत्रमे हम
बेटी भऽ कऽ कम छी
जेहने संतान बेटा अहाँक
तेहने हम संतान यौ
बाजू फेर किएक लइ छी अहाँ
हमर गर्भेमे प्राण यौ।

सीताकेँ देखियौ, सही सावित्तीकेँ देखियौ
सबरीकेँ देखियौ, अनुसूइयाकेँ देखियौ
भारतीकेँ देखियौ

केहेन छेलैन ज्ञान यौ
शंकराचार्य केलखिन
शास्त्रार्थमे हरान यौ
बाजू फेर किए लइ छी अहाँ
हमर गर्भेमे प्राण यौ।

मायावतीकेँ देखियौ, जयललिताकेँ देखियौ
सुषमाकेँ देखियौ, ममताकेँ देखियौ
बसुन्धराकेँ देखियौ, कुमार मीराकेँ देखियौ
देशक रक्षामंत्री रमण सीताकेँ देखियौ
भारत केर पहिल नागरिक बनि
प्रतिभा बढ़ौली शान यौ
बाजू फेर...।

लक्ष्मीबाइकेँ देखियौ
इन्द्ररा गाँधीकेँ देखियौ
एकटा लड़ली देशक आजादी खातिर
दोसर बढ़ौली देशक शान यौ
देशक अखण्डता खातिर भेली वलिदान यौ
बाजू फेर...।

पी.टी. उषाकेँ देखियौ

सानिया मिर्जाकेँ देखियौ
बेटिये भऽ कऽ भावना वर्मा
लइ छैथ अकासमे उड़ान यौ
बाजू फेर... ।

ममताक मूर्ति छी बेटी
करूणाक सागर छी बेटी
अनपूर्णा छी बेटी
सभ गुणसँ आगर छी बेटी
कल्याणी छी बेटी
पैघ-सँ-पैघ ज्ञानी बेटी
दुर्गा छी बेटी
काली छी बेटी
परिवारक पैघ माली छी बेटी
करवनो नहि भार छी बेटी
श्रृष्टिक आधार छी बेटी
फेर डेग-डेगपर किएक करै छी
बेटीकेँ अपमान यौ
बाजू फेर... ।

केकरो लेल विज्ञान वरदान अछि
हमरा लेल अभिशाप यौ

डॉक्टर बाबू ढौआ खातिर
करै छैथ बड़का पाप यौ
कन्या भ्रूणक पता लगा कऽ
भऽ जाइ छैथ हैवान यौ
कोखियेमे बेटी भ्रूणकेँ
लऽ लइ छैथ जान यौ
बाजू यौ विद्वान लोकैन
केना हएत मानवक कल्याण यौ
केना हएत नूतन युगक निर्माण यौ
मानवक कल्याणों हएत
जहिया बेटे जकाँ बेटियो
भऽ जाएत एक सामन यौ? ❑

अपन नेता केतेक महान

अपन नेता छैथ केतेक महान
जनताकेँ धोखा देब
आ ठगब
संगे, देशक खजाना लूटब
यएह सभ छैन
हुनक असल काम
अपन नेता छैथ केतेक महान।

चुनावक समय तँ दरबज्जे-दरबज्जे
जाइ छैथ दुनू हाथ जोड़ि
चुनाव जीतलापर पाँच बरख धरि
नै अबै छैथ जनताकेँ नजैर
पदाधिकारी होथि वा ठीकेदार
केतबो पैघ हुअए भष्टाचार
हुनका तँ बस कमीशनसँ काम
अपन नेता छैथ केतेक महान।

सभ महानगरमे होनि
अपन निजि मकान

पेट्रोल पम्प, बंगला
गाड़ी आलीशान
रिश्तेदारकेँ भेटै
पद आओर सम्मान
यएह सभ तँ हुनकर छैन अरमान
अपन नेता छैथ केतेक महान।

जाति, धर्मपर भोँट ठकै छैथ
एकसँ एक कुकर्म करै छैथ
पद आओर पाइ खातिर
बेच दइ छैथ अपन इमान
अपन नेता छैथ केतेक इमान।

नै सिक्ख छै, नै छैथ इसाइ
ओ तँ छैथ सफेदपोश कसाइ
नै छैथ हिन्दु, नै छैथ मुसलमान
आदमीक खालमे छिपल कोनो हैवान
भेटैत नै अछि जनताकेँ पीबैले जल
ओ तँ करै छैथ, सोमरसक पान
अपन नेता छैथ केतेक महान।

राजनीतिमे जेकर मुँह अछि जेतेक कारी

ओ कहाबै छैथ नेता ओतेक भारी
कियो खेला चारा, कियो खेला हवाला
कियो खेला अलकतरा, कियो खेला यूरिया
केतौ राष्ट्रमण्डल खेलमे घोटाला
केतौ स्पेक्ट्रम घोटाला
केतौ परिवारवादक जोर
गाँधी बाबा जँ अखन रहितैथ
तँ ई सभ देखकऽ
हुनका आँखिसँ झहरैत नोर
किएक तँ
हाय रे अपन देशक प्रधान
कोयलासँ हाथेटा नै केलैन कारी
कारी केलैन मुँह-नाक आ कान
अपन नेता छैथ केतेक महान।

नेताक करतूतसँ
कार्यकर्त्तो छैथ परेशान
कोनो भी दलमे कार्यकर्त्ताकेँ
भेटैत नै अछि सम्मान
एम.एल.ए; एम.पी.क टिकट बेचकऽ
करै छैथ अपन धिया-पुताक कल्याण
अपन नेता छैथ केतेक महान।

जेम्हर देखलैन खीर
ओम्हरे लगेला भीड़
पकड़ने छला लालटेन
पकैड़ लेलाह तीर
कियो नागनाथ
कियो साँपनाथ
बड़का-बड़का बबाजी सभकेँ देखलिऐ
कंठी तोरि कऽ खेलैथ माछ
दल-बदल करब भऽ गेल बात आम
अपन नेता छैथ केतेक महान।

मुदा देशक जनताकेँ छैन बलिहारी
भ्रष्ट्राचारी सभकेँ दऽ दइत अछि बहुमत भारी
जे खूब लूटलक आ जमा केलक दू नम्बरक नोट
ओकरे सभकेँ दऽ देलक अपन अमूल्य भोँट
तँ कहू, इमानदारीक कोन अछि काम
अपन नेता छैथ केतेक महान।

मंचपर एक दलक नेता
दोसर दलक नेताक करै छैथ बुराइ
मुदा जखन नेताक दरमाहा भत्तामे

बढ़ोत्तरी होइ छै
तँ कहाँ कियो करै छैथ विरोध
किएक करथिन
सभ छैथ चोर-चोर मसियौत भाय
आ सभ करै छैथ अवैध कमाइ
गाँधी, लोहिया, जयप्रकाशक
नाम बेच कऽ
सुतारि रहल छैथ अपन काम
अपन नेता छैथ केतेक महान। ❑

हमर भारत देश महान

हमर भारत देश महान अछि
कृषि प्रधान अछि
अतीतक गौरव थिक ई
जे कहाबैत हिन्दुस्तान अछि।

देश सभमे अछि न्यारा
हमरा सभकेँ अपन जानोसँ प्यारा
जेतए हर नर-नारी समान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

एतए नव-नव यंत्र अछि
एतए असली लोकतंत्र अछि
जेतए कियो ने परतंत्र अछि
एतए सभ कियो स्वतंत्र अछि
जेतए नैतिकता आ इमान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

एतए नव-नव यंत्र अछि
एतए असली लोकतंत्र अछि

जेतए कियो नहि परतंत्र अछि
एतए सभ कियो स्वतंत्र अछि
जेतए नैतिकता आ इमान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

जेतए पवित्र नदीमे
यमुना, सरस्वती आ गंगा अछि
जेतए बीचमे अशोक चक्र लऽ
झण्डा तिरंगा अछि
जे देशक असल पहचान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

अतए गायत्री मंत्रक जाप अछि
मिट जाइत पाप अछि
अतए सभ दिन होइत
धार्मिक अनुष्ठान अछि
आ पत्थरोमे भगवान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

एतए सरहदपर अछि जवान
देशक लेल केने छैथ
अर्पित अपन प्राण

खेतमे काम करै छैथ किसान
यएह तँ देशक असली पहचान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

जेतए धर्मग्रंथमे
रामायण, महाभारत आ गीता
जेतए आदर्श नारीमे
सती-सावित्री आ वैदेही सीता
पति भक्तिमे हिनका सभसँ बढ़ि कऽ
ने कियो दोसर आन अछि
हमर भारत देश महान अछि।

जेतए जनम लेने छला
कहियो मयार्दा पुरुषोत्तम राम
जेतए भेल छलाह कहियो
योगेश्वर श्याम
जेतए गुंजैत छल कहियो
नटवरक मुरलीक तान
वीर सभमे छला जेतए
भगत, चन्द्रशेखर आ
अबुलकलाम
स्वतंत्रता संग्राममे नेताजी

सुभाषक छैन बड़ नाम
जय हिन्दक नारा देलैन
आजाद हिन्द फौजक
गठन केलैन
आ अंग्रेजसँ केलैन संग्राम
हिनका सभकेँ हमर
क्रोटि-क्रोटि प्रणाम अछि
हमर भारत देश महान अछि।

जेतए जय जवान, जय किसानक
नारा अछि
जेतए सत्य आ अहिंसाक
सहारा अछि
जेतए गाँधीजीक
विचारधारा अछि
जइसँ भेटैत
आपसी प्रेम आ
भाइचारा अछि
जेतए हर बेकती निष्ठावान अछि
हमर भारत देश महान अछि

अतए गाँधीक दर्शन छै

जेतए प्राणक अर्पण छै
अतए महात्मा बुद्धक चिन्तन छै
माए-बेटाक बलिदान छै
इन्दिरा आ राजीव नाम छै
जेतए भाभाक विज्ञान छै
आओर अम्बेदकरक संविधान छै
जैपर देशकेँ अभिमान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

ई ऋृषि-मुनि सभक देश अछि
एतए गीताक उपदेश अछि
पूज्य बापूक अमर संदेश अछि
जेतए केकरो नै कोनो क्लेश अछि
जेतए वीर सभकेँ भेटैत सम्मान अछि
हमर भारत देश महान अछि।

बाबा पतंजलिक योग अछि
भागि जाइत रोग अछि
मिटा जाइत सभ व्याधि
लागि जाइत समाधि
करब जखन प्राणायाम अछि
लगि जाइत ध्यान अछि

हमर भारत देश महान अछि।

एकसँ एक विद्वान भेला
जे दुनियाँक देलैथ ज्ञान
तक्षशीला आ नालन्दाक छल
कहियो दुनियाँमे बड़ नाम
ओइ देशमे जनम भेल हमर
हमरो बड़ अभिमान अछि
मुदा देशकेँ आगाँ
बढ़ेनाइ हमरो काम अछि।
हमर भारत देश महान अछि। ❑

पूजा

कर्मकेँ पूजा बनाउ
ज्ञानक दीप जराउ
मन्दिर-मस्जिदमे की राखल छै
व्यर्थमे किएक
होइ छी फिरीशान
जीवक सेवा करू
जइसँ भेटत भगवान
जइसँ हएत
दुनियाँक कल्याण। ❑

शैतान

हम देखल एकटा शैतान
मनुखक खालमे छिपल हैवान
सज्जन बुझाएत ओ
गाए समान
अपनोंकेँ बुझैए आन।
हम देखल एकटा शैतान।

आलीशान बंगला, गाड़ी
जे बढ़ाबए ओकर शान
गरीब-गुरबाक खून चुसब
ई अछि ओकर असल काम
बहु-बेटीक इज्जत लूटब
निन्दनीय काजसँ नै छै परहेज
बेटाक विआहमे मांग करैए
बड़ बेसी दहेज
क्षणेमे केकरो इज्जत
कऽ देत नीलाम।
हम देखल एकटा शैतान।

साँझ हुअए चाहे
हुअए भोर
कखनो पी लेत दारू
पत्नी जँ मना करत तँ
उलटे पत्नीकेँ कहत
अहाँ नैहरा भागू
माए-बाप आर पत्नियो
अछि ओकरासँ परेशान।
हम देखल एकटा शैतान।

गामक बहु-बेटीकेँ
हरदम होइत रहल डर
पता नहि कखन
ओइ राक्षसक
पड़ि जाए हमरापर नजैर
सभ करैत रहत
भगवान-भगवान।
हम देखल एकटा शैतान।

शरीर तँ गोर छै ओकर
पर भीतरसँ अछि कारी
दिलसँ बड़ गरीब

मुदा पाइसँ भरल छै अलमारी
परोक्षमे सभ गरियबैत
छै ओकरा
मुदा सामने करैत अछि
सभ प्रणाम
हम देखल एकटा शैतान।

पुतोहुओ ओकर नैहरेमे रहै छै
बेटा ओकर सभ बात बुझै छै
मुदा बुझियो कऽ किछु नै कहै छै
पुतोहु कहै छै
छुछुनैरकेँ मरलाक बादे
जाएब ओइ गाम
हम देखल एकटा शैतान
जेकरा कहल जा सकैए हैवान। ❑

प्रदूषनसँ बचाउ

जल छी जीवन
हवा छी प्राण
ऐ दुनू बिना
बचत नहि प्राण।

आउ
सभ मिलि कऽ
जलकेँ प्रदूषनसँ
बचाउ
हवाकेँ प्रदूषनसँ
बँचेबाक खातिर
गाछ-वृक्ष लगाउ

घर-घरमे
शौचालय बनाउ
आ खुलामे
शौच करए नहि जाउ।

नदी-तलाबमे

कचरा नहि गिराउ
जलमे रहैबला
जीव-जन्तुकेँ बचाउ।

जोर-जोरसँ रेडी
नहि बजाउ
हवाक घ्वनि
प्रदूषनसँ बचाउ।

जँ ऐ सभपर
देबै धियान
तँ बचत सभक
जान।।
आ हएत सभक
कल्याण।।।
कियो नै पड़ब
बेराम
आ भेटत सभकेँ
आराम।

सौर ऊर्जा लगाउ
साइकिल चलाउ

पेट्रोल आ डीजल
सोचि-विचारि कऽ
कम जराउ
प्रदूषनसँ हवाकेँ
बचाउ। ❑

आब हम गामे बसब

ने दिल्ली रहब, आब ने कलकत्ता रहब
ने मुंबइ रहब, ने चेन्नइ रहब
तेकर कारण अछि
शहरसँ मनक उबब
आम हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

शहरमे पानियोँ बिकाइत
शहरमे माटियो बिकाइत
मोशकिल भऽ गेल अछि
शुद्ध हवो भेटब
आब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

ने जॉर्जेट पहिरब
ने पहिरब सिफॉन
ने वर्गर खाएब
ने खाएब आइसक्रीम
नोन-रोटी खाएब

अपन पहचानकेँ तखने बुझि पएब
फाटल-पुराने पहिरब
आब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

शहरमे ताजा सब्जीक अभाव
दोसर प्रदूषनक प्रभाव
मोशकिल अछि
शुद्ध दुधो भेटब
आब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

ने पॉलिसबला चाउर
बजारसँ लाएब
ने पैकेटबला ऑटा
कीनि कऽ हम खाएब
अपने धानो उपजाएब
ढेकीमे चाउरो बनाएब
गहुमक खेती करब
अब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

बारी-झारीमे तीमन
तरकारी उपजाएब
बाध-बोनसँ बथुआ-झल्ला
तोरि कऽ लाएब
कनेक मेथी बुनब
कनेक पालक बुनब
आब हम गामे रहब
आ हम गामे बसब।

केमीकलबला दूध
आब नै हम खाएब
पैकेटबला मसल्ला नहि
कीनि कऽ घर लाएब
कनेक धनिया बुनब
कनेक मिरचाइ रोपब
दूध खाइले एकटा
देशी गाइयो पोसब
आब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

ओछाइनक लेल
पुआरक गद्दा बनाएब
सिरमाक लेल

सिमरक रूइया
बीछि-बीछि लाएब
ने प्लास्टिकक सोफापर बैसब
ने डनलपक गद्दापर सुतब
आब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

ने मोटरपर चढ़ब
ने रिक्सापर घूमब
हम आब पएरे चलब
आब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब।

ने डीजल-पेट्रोलक धुआँ लगत
ने ध्वनि प्रदूषनक
खतरा बढ़त
साँझ-भोर हरियर-हरियर
घासपर चलब
शुद्ध जलो भेटत
शुद्ध हवो भेटत
तँए, आब हम गामे रहब
आब हम गामे बसब। ❑

हैवान

चाहे कियो बेकती होथि पुजारी
वा फेर होथि धर्माधिकारी
वा होथि पैघ धनवान
जँ हुनकामे बँचल नै छैन
नैतिकता आओर इमान
फेर तँ ओ मनुक्ख
हेता एक हैवान।

गाम समाजसँ हेता दूर
धनक मदमे रहता चूर
सोभावक सेहो बड़ क्रूर
जइ बेकतीक भीतुरका
मरि गेल छैन इंसान
फेर तँ ओ मनुख
हेता एक हैवान।

दीन-दुखीक ने हरत दुख
माए-बापकेँ नै देत सुख
अपनासँ पैघकेँ जे

करैत नै हेता सम्मान
फेर तँ ओ मनुख
हेता एक हैवान।

सोमरस करैत हेता पान
सदिखन बघारैत रहता शान
साधुकेँ करता उपेक्षा
आओर करता अपमान
फेर तँ ओ मनुख
हेता एक हैवान।

ढौआक बड़ जोर छै
मुदा दिलसँ बड़ कठोर छै
जिनका पाइसँ कोनो
गरीबक
भेलै ने कहियो कल्याण
फेर तँ ओ मनुख
हेता एक हैवान।

वेश्यासँ करैत हेता प्यार
आओर पत्नीपर अत्याचार
जिनका डरे भयभीत रहत

हुनके सभ सन्तान
फेर ओ मनुख
हेता एक हैवान। ❑

अतीत लेल किएक मरै छी

अतीत लेल किएक मरै छी
वर्तमानपर दियौ धियान
की केलासँ भविस नीक हएत
ऐ बातपर सोचू-विचारू
जइसँ हएत अहाँक कल्याण।

माए-बाप

पाप कटबैले
गंगा नहाइ छी
काँवर लऽ कऽ बाबाधाम जाइ छी
माए-बाप अहाँकेँ
काहरि कटैए
तैपर नै अछि
कनिक्को धियान
जे माए-बाप
जनम देलक अहाँकेँ
पालि-पोसि कऽ
मनुखक बनौलक
किएक बुझै

हुनका आन।

विद्या

विद्यासँ बढ़ि कऽ
धन नै अछि दोसर
ऐ बातक राखब
अहाँ धियान
ओतेक वृद्धि हएत
अहाँ केर ओइ धनमे
जेतेक करब अहाँ
विद्याक दान।

पइत

जे समयपर
पइत नै रखलक
अप्पन बुझि
दइ छेलिऐ प्राण।
ओकरासँ नीक
वएह ने भेल
जेकरा सभ दिन
बुझलौं बीरान। ❑

पतिकेँ उपराग (गीत)

केतेक दिनसँ हम चिट्ठी लिखै छी
कथीले रूसल छी पिया
किएक ने अबै छी गाम।

बीति गेलै दुर्गापूजा
बीतलै दियारी
बिरहा सताबए हमरा
राति कारी-कारी
नीनो ने आबए रातिक-राति
तरेगन गनै छी
कथीले रूसल छी पिया
किए ने अबै छी गाम।

जहियासँ परदेश गेलौं अहाँ
दिलकेँ नै अछि चैन यौ
कनिक्को ने दइ छी अहाँ
हमरा गपक मानि यौ
एक दिन जीबै छी पिया
एक दिन मरै छी

कथीले रूसल छी पिया
किए ने अबै छी गाम।

बुच्चीक ओझहा अनलक
लँहगा-पटोर यौ
आँखिसँ झहरए हमरा
दिन-राति नोर यौ
बुच्चीक ओझहा संग देख कऽ
हम जरै छी
कथीले रूसल छी पिया
किए ने अबै छी गाम यौ।

हमरा नै चाही राजा
लँहगा-पटोर यौ
फगुआमे रंग खेलाइले
आएब जरूर यौ
चिट्ठीसँ नै एलौं अहाँ
फोन करै छी
कथीले रूसल छी पिया
किएक नहि अबै छी गाम यौ।

देखै छी एमकी

खेत सभमे
देखै छी एमकी
लुबधी लगल धान यौ
खेतक उपजा देख कऽ
मुदित अछि किसान यौ
अहाँकेँ पठाबए खातिर
चूरा कुटै छी
कथी ले रूसल छी पिया
किए ने अबै छी गाम यौ।

अपना शरीरपर पिया
देबै अहाँ धियान यौ
दुनियाँमे ने हमरा अछि
अहाँ छोड़ि कियो आन यौ
बुझब नै कहियो अहाँ
हमरा बीरान यौ
हम छी राति अन्हरिया
अहाँ हमर चान यौ
हम छी देह अहाँक
अहाँ हमर प्राण यौ।
अहाँकेँ दीर्घायु खातिर
पूजा करै छी

कथीले रूसल छी पिया
किएक ने अबै छी गाम यौ।
समय-साल भऽ गेलै पिया
आब बड़ खराप यौ
बेटोसँ बेसी लुच्चा
भऽ गेलै ओकर बाप यौ
केना हमर इज्जत बँचतै
यएह हम सोचै छी
कथी ले रूसल छी पिया
किए ने अबै छी गाम यौ।
बाबू नै मोटर साइकिल देलक अहाँकेँ
हमर कोन छै ऐमे दोख यौ
ऐ लेल किएक झाड़ै छी
हमरापर अहाँ रोस यौ
गोड़ लगै छी पिया
पइयाँ पड़ै छी
कथीले रूसल छी पिया
किए ने अबै छी गाम यौ? ❑

वेचारा

जिनकर पत्नी प्रौढ़ अवस्थामे
भऽ गेली स्वर्गक वासी
हुनका तँ भगवान बुझू जे
लगा देलकैन फाँसी।
फेर तँ हेता ओ मुसीबतक मारल
बहुत पैघ वेचारा हेता
सभ दिससँ थकल-हारल।
राति-राति नीन नै हेतैन
गिनैत हेता ओ तारा
दिनकेँ चैन नहि हुनका
भटकैत हेता
जेना अवारा
बुझू ओ मनुखकेँ
छैथ बड़ पैघ वेचारा।
ने समयपर खेनाइ भेटतैन
ने समयपर चाह
पचपन बर्खक
उमेर भऽ गेलैन
आब करता

कोन उपाय।
जिनका लेल बन्द
भऽ गेल सभ रस्ता
आओर रहल नहि
कोनो चारा
बुझू ओइ मनुखकेँ
छैथ बड़ पैघ वेचारा।
करबाक लेल
बहुत अछि बाँकी
मुदा लगै नइ छैन दिल
जीवनसंगिनी छोड़ि गेल छैन
केना भेटतैन मंजील।
जिनकर नैया
फँसल भँवरमे
मोशकिल छै
भेटब किनारा।
बुझू ओइ मनुखकेँ
छैथ बड़ पैघ वेचारा। ❑

हम नेता बनब

हम नेता बनब
हम नेता बनब
चौअनियाँ?
नै यौ
अठनियाँ?
नै यौ
नमरी?
नै यौ
तखन पनसैया?
नै यौ हजरिया।
चौअनिआँ नेता भेल
नमहर (लम्बा) कुरता पहिरब
साँए-बौहुमे झगड़ा लगाएब
पाइ लऽ कऽ पनचैती करब
चाह-पानपर बिकब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

अठनियाँ नेता भेल
नमहर कुरतापर
बंडी सेहो देब

वृद्धा-पेंशन, इन्दिरा अवासपर
जनतासँ
पाइ ठकि लेब
वार्ड पंच, वार्ड सदस्यक
चुनाव लड़ब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

नमरी नेता भेल
मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति
वा जिला परिषद सदस्यक
चुनाव लड़ब
जीतब तैयो नीक
हारब सेहो ठीक
चौक-चौराहापर बैसब
झूठ-फूसिक भाषण करब
लोककेँ ठकि-ठकि कऽ खाएब
कहियो-कहियो
थाना-ब्लॉक जाएब
थाना आ ब्लॉकक
दलाली करब
हम नेता बनब

हम नेता बनब।

पनसैया नेता भेल
मुखिया, प्रमुख वा जिला
परिषदक अध्यक्ष चुनाएब
खूब कमीशन खाएब
सभटा इज्जत गमाएब
चरिचकिया गाड़ीपर चढ़ब
जनताक गारि सुनब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

हजरिया नेता भेल
नेतामे तूफान मेल
तूफान मेल?
नै बुझलौं
तूफान मेल
एम.एल.ए; एम.पी.
मंत्री-संत्री बनब
मंत्री तँ मंत्री भेल
मुदा संत्री की भेल?
यौ संत्री भेल

मंत्रीमे प्रधान
जिनका हाथमे रहल
सत्ताक सभ कमान
हम हुनके चमचागीरी करब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

कोनो जोगारसँ
एम.एल.ए; एम.पी.क
टिकट लऽ कऽ आएब
जनताक बीच जाएब
अपन छबि तँ नै अछि नीक
जनतासँ कहब
एकटा भोँट दिअ भीख
जाति-धर्मक नाओंपर
चुनाव हम जीतब
एम.एल.ए. बनब
जँ कपार संग देलक
तँ एम.पी. बनब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

अपने आदमीकेँ
ठीकेदारी दियाएब
नफामे बाँटि कऽ
हम खाएब
ऑफिस सभमे
कमीशन हम लेब
कार्यकर्त्ताकेँ एक कप
चाहो ने देब
जे हाकिम कमीशन नै देत
तेकरापर सदनमे
हम प्रश्न करब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

पंचायत पाछू
एक-आधटा
चमचा रखि लेब
कहियो काल ओकरा
साए-पच्चास दऽ देब
ओकरेसँ लगाएब
क्षेत्रक सभ भाँज
सड़कक गरदा

फँकैक नहि काज
होली मिलन समारोह रखब
इफ्तार पार्टी करब
चुनाव लगिचाएलापर
अन्धाधुन शिलान्यास करब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

कोनो पदाधिकारी हेता केतबो
कर्त्तव्यनिष्ठ
आ
इमानदार
हम अप्पन बात मानैले
कऽ देबैन हुनका लाचार
जँ हमर बात ओ नहि मानत
तेकर सुख-दुख वएह जानत
दलक नेता लग जाएब
कर्त्तव्यनिष्ठ पदाधिकारीक
बदली कराएब
दोसर पदाधिकारीकेँ ई बात
कहि-कहि डराएब
ढौआ लऽ लऽ कऽ

पैरबी करब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

गाँधी, लोहिया, जे.पी.क
जयन्ति मनाएब
मंचपर हुनक
खूब गुण गाएब
टी.भी.मे देखाएब
अखवारोमे छपाएब
मुदा बेवहारमे
जे बजब
से नै करब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

मंत्री पद जँ पएब
विभागकेँ चुन लगाएब
खुब ढौआ कमाएब
अरबोमे घोटाला करब
विदेशी बैंकमे पैसा रखब
हम नेता बनब

हम नेता बनब।
मंत्री पदक आरो फायदा उठाएब
डीजल-पेट्रोलक पम्प बैसाएब
पटना, दिल्ली, कलकत्ता, मुंबइमे
अपन निजि घर बनाएब
चढ़ब गाड़ी आलीशान
बड़का-बड़का होटलमे जाएब
विदेशी खाना खाएब
करब सुरा-सुन्दरीक पान
हवाइ यात्रा करब
विदेशो घुमब
जी भरि कऽ ऐश करब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

विरोधी केतबो चिचियाएत
सभ्य भाषामे गरियाएत
बुझब हम हाथीपर
कुकुरकेँ भूकब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

प्रेसबला विरोधमे नै छापए
दुरदर्शन किछु ने बाजए
हमरापर आबए ने कोनो आँच
जनता बुझै ने बात साँच
रोटीक किछु टुकड़ी
मीडियो दिस फेकब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

जँ घोटालामे पकड़ाएब
बदलाक भावनासँ फँसौलक हेन
ई दोष लगाएब
जनताकेँ बरगलाएब
घड़ियाली नोर बहाएब
कोनो जुतिसँ बँचैक कोशीष करब
हम नेता बनब
हम नेता बनब।

जँ पार्टीक सुप्रिमो
बनि जाएब
मांछमे खूब घी लगाएब
भाय-भतीजा, सर-कुटुमकेँ

ताकि-ताकि सिम्बॉल देब
दोसरसँ ढौआ लेब
ढौआ लऽ लऽ कऽ
एम.एल.ए; एम.पी.क
टिकट बेचब
हम नेता बनब
हम नेता बनब। ❑

किसानक समस्या

असरेस बरसल
आएल बाढ़ि
बान्ह, सड़क टुटल
टुटल खेतक आरि ।

केतेको घर खसल
खसल केतेको गाछ
पोखैर सभक मोहार डुमल
भाँसल सभ पोसुआ माछ ।

गहुमक भुसी भाँसल
भाँसल नारक टाल
अपना तँ बेसाहो खाएब
खाएत की माल-जाल ।

कोठीमे राखल
चाउर-गहुम सड़ल
डी.ए.पी. यूरिया दऽ
धान रोपने छेलौं

सभ रांग जकाँ गलल
वर्त्तमानकेँ के कहए
जे भविसो भरल
फसल क्षतिक मुआबजा
देत सरकार
मुखियाजी कहने छला
जे सरकार कऽ रहल
अछि विचार
सेहो ने भेटल
सीमान्त किसना बुधना
सोचैत अछि
माथपर हाथ लऽ कऽ
झखैत अछि
कथी लऽ कऽ बौग करब
रबि-राइ
किसानक दुख के बुझत
हौ भाय
केना हएत
गहुमक खेती
बियाहैले अछि
जबान बेटी
तेहन डाँग

मारलैन भगवान
जे खाइले के कहए
पाबैनो नै हएत
एमकी नवान।
नहि हएत गुजर
गाममे आब
जाए पड़त
कमाइले
दिल्ली नहि तँ पंजाब। ❑

घरहटिया

यौ बाबू की कहू
हथिया झटकमे
हमर भनसा घर
खसि पड़ल।
आब बुझू
खेनाइयोपर
भेल आफत
पत्नी कहली
जल्दीसँ घरहटिया
बजाऊ
आ भनसाघर
बनाउ
नहि तँ रहए
पड़त उपास
हम कहलयैन
यै ऐ बरसातक
मौसममे केना कऽ
हएत घर ठाढ़
से नहि तँ दोसरे

कऽ लिअ कोनो जोगार
सुतैबला घरक
ओसरापर गाड़ि
लिअ एकटा चुल्हि
ओहीपर खेनाइ बनाउ
भरि बरसात
कहुना कऽ
काज चलाउ।
बरसातक बाद
घरहटिया बजा नीकसँ
भनसाघर बनाएब
ओहि घरमे
खेनाइयो बनाएब
आ ओइमे बैइसो कऽ खाएब।

बरसातक पछाइत
घरहटिया मंगल काका
ओइठाम गेलौं
तँ देखलौं
हमरासँ पहिने
दू गोरे आरो
नम्बर लगौने

हमरा देखते
मंगल काका बजला
नन्दु केम्हर-केम्हर
हम कहलयैन
काका हथियामे
खसि पड़ल भनसा घर
ओ बजला
पहिने ऐ दुनू गोरेक
घर बनाएब
पछाइत तोहरो
नम्बर लगाएब
ओतएसँ दोसर घरहटिया
जंगल काका ओतए गेलौं
हुनका लग देखलौं
तीन गोरेकें बैसल
तँ सड़केपर सँ हम
घुमि गेलौं।
आओर घरहटिया सभक
लगेलौं भाँज
तँ पता चलल
जीरी काटए
जाइ गेला हेन पंजाब।

दस दिनक बाद
मंगल काका ओतए
फेर गेलौं
देखते मंगल काका बजला
काल्हिसँ तोरे काजमे
लगाएब हाथ
मुदा कमतीमे
एक गोरे आर
चाटी साथ
हम कहलयैन
हमहीं अहाँक संग पुरब
अहाँ जे-जे कहब
से-से करब।
ऐगला दिन
फेर भोरे हुनका
ओइठाम गेलौं
ओ भऽ गेला भेँट
बजला नन्दु
बुझल छह ने
मजूरीक रेट।

हम कहलयैन
बुझलो अछि
आ नहियोँ बुझल अछि
अहाँ कहू ने
की कहै छी।

तैपर ओ बजला
देखहक
साढ़े आठ बजे
काजपर जेबह
पहिने चाह पीबह
खैनी, बीड़ी, गुटखा केर
सेहो करिहह जोगार
चाह पीला पछाइत
काजमे भीड़बह
साढ़े दस बजे
जलखै खेबह
रोटी आ तरकारी
मुदा रोटी नै
हुअ सरकारी
हम पुछलयैन
यौ सरकारी रोटी

की भेल

ओ बजला

सरकारी रोटी भेल

मोटका, कँचका रोटी

से नै चाही

चाही गहुमक

पातर-पातर सोहाड़ी

एक बजेमे खेनाइ खेबह

भात, दालि सब्जी आ अचार

खेनाइये जँ नीक नै रहतह

तँ बिच्चेमे काज छोड़ि देबह

पीटैत रहिह

अपन कपार

खेनाइ खेलाक बाद

डेढ़ घन्टा करबह अराम

साढ़े चारि बजे धरि

करबह काम

काज छोड़लाक बाद

पीहब चाह

आ खेबह पत्तीबला पान।

साढ़े तीन साए टका

साँझे-साँझ लेबह
जाबे तोहर काज
सम्पन्न नै हेतह
दोसर ठाम नै जेबह। ❑

जननायक कर्पूरीजी

आउ हमसभ हुनक
गुणगान करी
ओइ महामानवपर
अभिमान करी।

नेता आओर जनताक बीचमे
कनिक्को नहि छल दूरी
पितझियाँक लाल छला
नाओं छेलैन हुनक कर्पूरी।

दबल-कुचलल जनतासँ
जिनकर सम्बन्ध रहैन करीबी
बालबोधसँ जुआन धरि जे
अपने झेललैथ गरीबी।

माइक नाओं छेलैन रामदुलारी
पिताक नाओं गोकुल प्रसाद
एतबे सोचैत रहै छला हरदम
केना रहत गरीबक घर आबाद।

बितेलैथ सादा जीवन ओ

मुदा छेलैन हुनक ऊँच्च विचार
गाँधी-लोहिया केर सपनाकेँ
करए चाहै छला पूरा साकार।
एहेन महान विभूति केर विचारकेँ
सम्मान करी
आउ हम सभ हुनक
गुणगान करी
ओइ महामानवपर
अभिमान करी।

जे छला बिहारक महानायक
आओर छलाह दीन दुखीकेँ पालक
ओ राजनीतीज्ञ छला पैघ साधक
जिनक विचार छैन प्रेरणादायक
ओ लोकनायकक छला बड़ नजदीकी
हुनका कहल जाइ छैन जननायक
जिनक आचरण छेलैन बड़ सुन्नर
जे मरियो कऽ आइ छैथ अमर
हुनक विचारसँ प्रेरणा लऽ कऽ
विकसित बिहार निर्माण करी
आउ हुनक गुणगान करी
ओइ महामानवपर अभिमान करी।

जे मैट्रिक धरि शिक्षा
निशुल्क केलैथ
शिक्षाकेँ एकटा दिशा देलैथ
वृद्धा सभकेँ वृद्धावस्था पेंशन देलैथ
जिनक द्वारा आरक्षणक प्रावधान भेल
आ किसानक माफ लगान भेल
सम्पूर्ण क्रान्तिक दूत छला ओ
भारत केर सच्चा सपूत छला ओ
हुनकर सुझौल ज्ञान गंगामे
जी भरि कऽ सभ स्नान करी
आऊ हुनक गुणगान करी
ओइ महामानवपर अभिमान करी।

जे पिछड़ा लेल केलैथ काम
आ मैथिलियो भाषापर देलैथ धियान
बिहारक शान छला
नेता ओ विद्वान छला
हुनक बनाएल डगरपर चलि कऽ
अपन भविष्य निर्माण करी
आउ हुनक गुणगान करी
ओइ महामानवपपर अभिमान करी।

जे इमानदार नेतासँ जानल जाइ छैथ
आ सुच्चा समाजवादी मानल जाइ छैथ
जे सोचै छला हरदम
कोना हएत गरीबक उत्थान
दू-दू बेर मुख्यमंत्री भेला
पर नै बनेलैथ अपन मकान
कर्मवीर सेनानी छला
बड़ पैघ मर्म ज्ञानी छला
हुनका क्रोटि-क्रोटि प्रणाम करी
आउ हुनक गुणगान करी
ओइ महामानवपर अभिमान करी।

आपातकालक आगिमे तपि कऽ
भऽ गेल छला ओ कुन्दन
ओइ सुच्चा मानवकेँ हमर
साए बेर नमन
खाइ बेर नमन। ❑

भारतक महान विभूति

अपना कर्मक बलपर जे
मनुख भेला महान
जइ बेकतीपर देशकेँ
आइयो छै अभिमान
जाति प्रथाक संकीर्णताक कारण
मुदा,
सहला बहुत अपमान
बड़ प्रतिभाशाली व्यक्तित्व
छेलैन हुनक
आ वी.आर.अम्बेदकर नाम।
जाति-धर्मक संकीर्णतापर हम
आइ करै छी मंथन
भारतक महान विभूतिकेँ
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन।

महात्मा फूले आओर संन्त कबीरक
छला ओ सुच्चा भक्त
हिन्दु धर्मक मनुवादी बेवस्था

हुनका बुझेलैन बड़ गलत
हिन्दु धर्ममे जन्म लेलैथ
मुदा बौद्ध धर्म अपनेलैथ
देशेटामे नहि अपितु
रविदेश सभमे बड़ नाम कमेलैथ
कोन कारण हिन्दुसँ वौद्ध भेला
ऐ बातपर करै छी हम चिन्तन
भारतक महान विभूतिकेँ
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन।

दलित परिवारमे जनम लऽ कऽ
देशक भेला विद्वान महान
हिनके नेतृत्वमे लिखल गेल
भारतक संविधान
ओइ परमज्ञानी मनुखक लेल
अर्पण करै छी हम श्रद्धा सुमन
भारत केर महान विभूतिकेँ
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन।

शिक्षित बनू, संगठित भऽ जाउ
तेकर पछाइत संघर्ष करू

एहेन जे देलैथ उत्तम विचार
भारतक भोला-भला जनताक
अपन देलैथ अमूल्य उपहार
नारी शिक्षापर देलैथ जोर
समाजकैं देलैथ एकटा नव मोड़
रूढ़िवादी बेवस्था देलैथ छोड़ि
इतिहासमे एक अध्याय देलैथ जोड़ि
हुनक विचारकैं मनमे रखि
हम करै छी आइ चिन्तन-मनन
भारत केर महान विभूतिकैं
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन। ❑

जनसंख्या

बढ़ल जनसंख्यासँ
स्थिति भेल विकराल
सभ क्षेत्रमे पड़ि गेल
भयंकर आकाल
पैघ-पैघ घर सबहक
हाल भेल बेहाल
जे खाइ छला तीन-सलिया चाउर
आब लगै छैन नहि
पूरा साल।

लोक बढ़ैत गेल
जोत कमैत गेल
जे छल गोरहा खेत
ओ भेल घराड़ी
जे करै छला लगानी-भिरानी
ओ खाइ छैथ बेसाह उधारी
बढ़ल जनसंख्यासँ बढ़ि गेल बेकारी।

तँए परिवार नियोजनक साधन अपनाउ

आ परिवारकेँ छोट बनाउ
महिला बन्ध्याकरण
पुरुख नसबन्दी कराउ
से नहि करब तँ
पुरुख निरोध अपनाउ
आ महिला काँपर-टी लगाउ।

छोट परिवार सुखक आधार
नहि खाएब बेसाह
नहि लेब उधार।

परिवारकेँ छोट बनाउ
धिया-पुताकेँ पढ़ाउ-लिखाउ
आ स्वच्छ नागरिक बनाउ
समाजकेँ बचाउ
देशकेँ बढ़ाउ। ❑

माए गै हम भेलियौ नीमकहराम

माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम
तोरा सभक सेवा नहि
केलियौ
नइ एलियौ कहियो काम
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

बोइन-बुत्ता कऽ
हमरा पोसलँए
नीक-नीक कपड़ा
पहिरेलँए
चेफरी लगा कऽ
नुआँ पहिरलँए
भरि पेट खेनाइ
कहियो ने खेलँए
जाड़-गरमीमे
कामे-काज छोड़ि देब
कहियो ने केलँए अराम

माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

हरवाहि करि कऽ बाबू
हमरा पढ़ौलैन
अपना माथपर
सिदहा पहुँचौलैन
कोनो चिजक अभाव
हुअए नहि बेटाकेँ
हरदम रखलैन धियान
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

कोन कनियाँसँ
बिआह भेल हमर
नहि जानि की पढ़ि कऽ
खुऔलक हमरा
भऽ गेलौं हम
बौहक गुलाम
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम
बेतनमानबला

शिक्षक भेलियौ
चटिया सभकेँ टीशन
सेहो पढ़ौलियौ
हमरा जे दरमाहा भेटै छल
टीशनसँ जे पाइ अबै छल
पत्नी-ले स्नो-पाउडर
ठोररंगा कीनै छेलौं
गमकौआ तेल-साबुन
सेहो अनै छेलौं
हमरा जे पाइ बँचै छल
सभ पत्नीकेँ दऽ दऽ छेलौं
देलियौ नहि कहियो तोरा
एक्को छेदाम
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

सासु-ससुरकेँ
अपन बुझै छेलौं
माए-बापकेँ आन
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

जहिया-जहिया हम सासुर गेलौं
सार-सारि लेल कपड़ा कीनलौं
भाए-बहिनकेँ
किछु नहि देलौं
कहियो देखौओ नहि चाहलौं
सभ दिन बुझलौं आन
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

जइ भाइक हिस्साक
जमीन बेच
बाबू हमरा देलैन
बी.ए. धरि दरभंगामे
पढ़ौलैन
ओइ भाएकेँ हम
नै पढ़ेलौं
मुदा सारकेँ इंजीनियर
बनेलौं
केहेन भेलौं हम बेइमान
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

इलाजक अभावमे
तौं सभ दुनियासँ गेलँए
पाइक अभावमे
एकटा गोटियो ने खेलँए
अपटी खेतमे चलि
गेलौ दुनूक प्राण
माए गै हम भेलियौ
नीमकहराम।

जेहेन करम केलियौ
तेहने भोग भोगै छी
एक गिलास पानियोँ-ले
झखै छी
बेटा-पुतोहु मुंबइमे रहैए
सासु-ससुरकेँ अपने लग रखैए
हमर सेवाक कोन गप
कहियो फोनो ने करैए
पत्नी हमर ऊपर गेली
हम आब अथबल बनल छी
जेहने करतब केलौं
तेहने फल देलैन भगवान
आब भेल हमरा

अपन गलतीक ज्ञान।

माए गै माफ कऽ दे हमरा
करै छियौ हाथ जोड़ि प्रणाम। ❑

अकाल

बरखा नै भेनेसँ
समय भऽ गेल विकराल
बुढ़-बुजुर्ग कहै छैथ
पड़ि गेल बड़का अकाल।

पानि बिना घास-पात
सभ जरि गेल
धानक बीरार
पीअर भऽ भऽ
मरि गेल सभटा बीहैन।
गाछ-बिरीछ सभक
पात सेहो झरि गेल
छोट-पैघ किसानमे
मचि गेल हाहाकार
ओकरा सभक ऊपर
खसल दुखक पहाड़।

खेत सभमे फाटल
नमहर-नमहर दरारि
धरतीक रूपकेँ
देलक बिगाड़ि

ताल-तलैया सुखले
रहि गेल
गोरहो गेल सभ
परते पड़ि गेल।

रबि-राई बुनैले
रहल नहि खेतमे हाल
मालो-जाल भऽ गेल
जीक जंजाल।

गाममे नहि इज्जत
केकरो बँचत आब
झुण्डक झुण्ड लोक
विदा भेल
दिल्ली-पंजाब। ❑



नन्द विलास राय

लेखक परिचय-

नाम- नन्द विलास राय
राष्ट्रीयता- भारतीय
जन्म तिथि : 2 जनवरी 1957
माता : स्व. दुर्गा देवी, श्रीमती परमेश्वरी देवी
पिता : स्व. बच्चा राय
पत्नी : श्रीमती उषा देवी

पैत्रिक गाम : भपटियाही (नरहिया) जिला- मधुबनी
मातृक गाम : निर्भापुर (रामपट्टी) जिला- मधुबनी

शैक्षणिक योग्यता : स्नातक(गणित)मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
शैक्षणिक योग्यता : आई.टी. आई. (टर्नर)
जीविकोपार्जन : कृषि।

वर्त्तमान पता : ग्राम+पोस्ट- भपटियाही, भाया- नरहिया, जिला- मधुबनी, (बिहार), पिन- 847108

कृति : 1. सखारी-पेटारी (लघु कथा संग्रह), 2. छठिक डाला (कविता संग्रह) 3. बहिनपा (एकांकी संचयन), 4. मरजादक भोज (लघु कथा संग्रह), 5. हमर चारू धाम (काव्य संग्रह)

अन्य : मिथिला-मैथिलीक प्रमुख कथा गोष्ठी- 'सगर राति दीप जरय'क 83म आयोजन तथा नियमित सहभागिता।

सम्पर्क : 9931909671

(उपरोक्त पोथी सबहक e-version videha.co.in परसँ डानलॉड कएल जा सकैए।)

₹ 250
9789388421836

पल्लवी प्रकाशन
जे.एल.नेहरू मार्ग, तुलसी भवन
निर्मली, सुपौल, बिहार : 847452